उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी (नैनीताल)

MAHL 102

सत्रीय कार्य

Last Date of Submission :***15May*** जमा करने की अन्तिम तिथि**:** 15 मई

कोर्स शीर्षक: मध्यकालीन कविता **कोर्स कोड :** एम ए एच एल 10**2**

अधिकतम अंक : 40 **पाठ्यक्रम कोड** – MA 12

वर्ष - प्रथम **सत्र :** 2014-**15**

भाग – क

भाग क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए।

1- भक्ति संबंधी विभिन्न दार्शनिक सिद्धांतों की विवेचना कीजिए।
2- संत काव्य पर टिप्पणी लिखिए।
3- प्रेममार्गी सूफी काव्य की विवेचना कीजिए।
4- रामभक्ति काव्य की विशेषताओं को निरुपित कीजिए।
5- कबीरदास जी का जीवन परिचय दीजिए।
6- सूरदास जी की रचनाओं का परिचय प्रस्तुत कीजिए।
7- रीतिकाल के काल विभाजन एवं नामकरण की समस्या पर विचार कीजिए।
8- बिहारी काव्य में व्यक्त श्रृंगार पक्ष का सौन्दर्य उद्घाटित कीजिए।

भाग ख

इस भाग में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं , इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए *दस* अंक निर्धारित हैं।

1- भक्तिकाव्य की विशेषताओं पर आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिए।
2- सूरदास की काव्य कला का मूल्यांकन कीजिए।
3- मीराबाई के काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां निरुपित कीजिए।
4- गुरुनानक के काव्य का सौन्दर्य-पक्ष उद्घाटित कीजिए।